Nai Dunia (Indore), 30th July 2024, Page-03

आइआइटी में पचास हेक्टेयर भूमि पर बनेगी वन वाटिका

- जैव विविधता और हरियाली को बढ़ाने पर किया जाएगा काम
- विकसित करने हेतु एक करोड़ 98 लाख का बजट स्वीकृत

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : केंद्र सरकार की नगर वन योजना के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के परिसर में वन वाटिका बनाई जाएगी। ऐसा करने वाला यह देश का पहला आइआइटी और जिले का एकमात्र शैक्षणिक संस्थान होगा। इस योजना में आइआइटी परिसर में 50 हेक्टेयर भूमि पर पौधे रोपे जाएंगे। इनमें प्रदेशभर की विभिन्न प्रजातियों के पौधे शामिल रहेंगे। वन वाटिका को विकसित करने के लिए एक करोड़ 98 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। सोमवार को आइआइटी में योजना को लेकर शिलान्यास किया गया।

राष्ट्रीय प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैंपा) के अंतर्गत नगर वन परियोजना पर काम किया जाएगा। 2020-21 से 2024-25 की अवधि के दौरान देशभर में 400 नगर वन और 200 वन वाटिका विकसित होगी। इसका उद्देश्य वन-हरित क्षेत्र और शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जैव विविधता को बढ़ावा देना है। इससे पर्यावरण को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सके। सोमवार को आइआइटी इंदौर में नगर वन वाटिका का शिलान्यास कार्यक्रम रखा गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कैंपा के सीईओ सुभाष चंद्रा और विशेष अतिथि एपीसीसीएफ पुरुषोत्तम धीमान थे। अध्यक्षता आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने की। प्रो. जोशी ने कहा कि आइआइटी इंदौर काफी समय से इस परियोजना पर काम करना चाहता था। जुड़ने के बाद संस्थान प्रकृति को संरक्षित व पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेगा। परिसर में पहले ही तालाब विकसित है। प्राकृतिक वास को बढ़ावा दिया है।

आइआइटी परिसर की वन वाटिका में पौधे लगाते अतिथि। ● नईदुनिया

मुख्य अतिथि सीईओ चंद्रा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से हर कोई अवगत हैं, जिससे सूखा, अचानक बाढ़, बादल फटने जैसी घटनाएं हो रही हैं। इसके परिणामस्वरूप जल और जैव विविधता के प्राकृतिक चक्र पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। वर्षा चक्र में परिवर्तन से भूमि की उत्पादकता पर असर दिखाई दे रहा है। परियोजनाओं के माध्यम से मिट्टी के क्षरण को रोकना है।